'भारत का आधुनिक इतिहास और भारतीय संस्कृति'

1857 का विद्रोह और बिहार —

* न तो प्रथम — 1765 में कंपनी को दीवानी प्राप्त होने के पश्चात भारत में सशस्त्र जनविद्रोह आरम्भ हुआ। जैसे — सन्यासी विद्रोह (1770), केरल का वेलुत्मपी विद्रोह (1808-09), संथाल विद्रोह (1855-56) कोल विद्रोह (1831-32) आदि।

* न ही राष्ट्रीय — क्षेत्रीय स्तर पर नर्मदा के ऊपरी भागों तक सीमित। दक्षिणी भाग सामान्यतः शान्त था।

* न ही स्वतन्त्रता संग्राम — असंतुष्टों ने राष्ट्रीय चेतना के स्थान पर व्यक्तिगत कारणों से विद्रोह में सहभागिता की।

मुगल बादशाह द्वारा अंतिम समय तक अंग्रेजों से सुलह की कोशिश की गयी।

उपर्युक्त बातों के बावजूद भारतीय इतिहास में सर्वप्रथम असंतुष्टों ने एक व्यापक क्षेत्रीय आधार वाले गठबंधन का निर्माण किया तथा विद्रोह का शुभारंभ किया। शुरू होने के बाद जनता के सभी वर्ग पूर्व सैनिक, किसान, जनजातियाँ आदि शामिल हो गए।